



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 113]

नई दिल्ली, सोमवार, मई 29, 2000/ज्येष्ठ 8, 1922

No. 113]

NEW DELHI, MONDAY, MAY 29, 2000/JYAISTHA 8, 1922

वाणिज्य मंत्रालय

(पाटनरोधी एवं सम्बद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 29 मई, 2000

विषय: कोरिया गणराज्य से शुद्ध टैरिफथैलिक एसिड (पीटीए) के आयातों के संबंध में पाटनरोधी शुल्कों की समीक्षा-अंतिम जांच परिणाम

सं० 26/1/98-डी. जी. ए. डी.— वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 तथा सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियम, 1999 को ध्यान में रखते हुए:

क. क्रियाविधि

1. निम्नलिखित क्रियाविधि का पालन किया गया है:

i) निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे इसके बाद प्राधिकारी कहा गया है), को नियमों के तहत मैसर्स रिलायन्स इंडस्ट्रीज लि० (आरआईएल) (जिसे इसके बाद इस अधिसूचना में याचिकाकर्ता कहा गया है) से एक आवेदन प्राप्त हुआ है जिसमें कोरिया गणराज्य (जिसे इसके बाद सम्बद्ध देश कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यात किए गए पीटीए के आयातों पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क की समीक्षा करने का निवेदन किया गया है।

ii) प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत किए गए पर्याप्त और पूर्ण रूप से प्रलेखित साक्ष्य के आधार पर कोरिया गणराज्य से पीटीए के आयातों की समीक्षा जांच आरंभ करने का निर्णय लिया। प्राधिकारी ने कोरिया गणराज्य से निर्यातित पीटीए के आयातों के संबंध में जांच की समीक्षा आरम्भ करते हुए दिनांक 3.3.99 को भारत के राजपत्र, असाधारण में एक सार्वजनिक सूचना प्रकाशित की।

iii) दिनांक 19.3.98 की अधिसूचना के द्वारा प्राधिकारी द्वारा पूरी की गई जांच का इस अधिसूचना में "पूर्ववर्ती जांच" के रूप में उल्लेख किया गया है।

iv) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमाशुल्क बोर्ड (सीबीईसी) से समीक्षा की अवधि के दौरान भारत में पीटीए के आयातों का विवरण देने का अनुरोध किया गया था।

v) प्राधिकारी ने उक्त नियम के उप-नियम 5(5) के अनुसार समीक्षा जांच शुरू करने से पहले इसकी सूचना नई दिल्ली में कोरिया गणराज्य के दूतावास को दी।

vi) प्राधिकारी ने 8.6.99 को मौखिक सुनवाई आयोजित कराई। सार्वजनिक सुनवाई में शामिल पार्टियों से मौखिक रूप से प्रस्तुत किए गए अपने विचारों को लिखित रूप से दर्ज कराने का अनुरोध किया गया। पार्टियों से अनुरोध किया गया था कि वे प्रतिपक्षी पार्टियों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों की प्रतियां प्राप्त कर लें और उनका खंडन प्रस्तुत किया जाए।

vii) प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्यों के अगोपनीय अंश सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध कराए और उन्हें किसी भी हितबद्ध पार्टी द्वारा देखे जाने के लिए खुला रखा।

viii) उपरोक्त नियमों के नियम 16 के अनुसार इन निष्कर्षों के लिए विचारित अनिवार्य तथ्यों/आधार का खुलासा ज्ञात हितबद्ध पार्टियों के लिए 28.4.2000 को किया गया था और उन पर मिली टिप्पणियों पर भी इन निष्कर्षों में विधिवत् विचार किया गया है।

ix) प्राधिकारी ने सार्वजनिक सूचना की एक प्रति भारत में शुद्ध टैरिफथैलिक एसिड के सभी ज्ञात आयातकों (जिनके ब्यौरे याचिकाकर्ता द्वारा उपलब्ध कराए गए थे) को भेजी और उनसे पत्र की तारीख से 40 दिनों के भीतर अपने विचार लिखित रूप में देने के लिए कहा।

x) प्राधिकारी ने पूर्वोक्त नियम 6(3) के अनुसार याचिका की एक प्रति ज्ञात निर्यातकों और संबद्ध देश के दूतावास को भेजी। याचिका की एक प्रति अन्य हितबद्ध पार्टियों को भी अनुरोध करने पर उपलब्ध कराई गयी।

xi) प्राधिकारी ने सम्बद्ध सूचना प्राप्त करने के लिए नियम 6(4) के अनुसार कोरिया गणराज्य के निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों को प्रश्नावली भेजी :-

1. मैसर्स सुक्योंग लि0,
2. मैसर्स सैमसंग पैट्रोकेमिकल्स कं0 लि0 (एसपीसी),
3. मै0 कोहेप कैमिकल कारपोरेशन,
4. मै0 टे क्वांग इंडस्ट्रियल कं0 लि0,

तथापि, प्रश्नावली/अधिसूचना का उत्तर केवल निम्नलिखित निर्यातकों/उत्पादकों द्वारा दिया गया :-

1. मै0 सैमसंग पैट्रोकेमिकल्स कं0 लि0 (एसपीसी) कोरिया गणराज्य

xii) नई दिल्ली में संबद्ध देश के दूतावास को भी नियम 6(2) के अनुसार जांच समीक्षा आरंभ होने की सूचना दे दी गयी थी और उनसे अपने देश के निर्यातकों/उत्पादकों से निर्धारित समय के भीतर प्रश्नावली भरकर भेजने का आग्रह करने का अनुरोध किया गया था । निर्यातकों को भेजे गए पत्र, याचिका और प्रश्नावली की प्रति, ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों की सूची सहित दूतावास को भी भेजी गयी थी ।

xiii) नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना मंगाने के लिए सम्बद्धदेश के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/उपभोक्ता संघों को एक प्रश्नावली भेजी गयी थी :-

1. मै0 संघी पोलिएसटर्स लि0, हैदराबाद
2. मै0 उड़ीसा सिंथेटिक्स लि0, कलकत्ता
3. मै0 परसरामपुरिया सिंथेटिक्स लि0, नई दिल्ली
4. मै0 जेसीटीलि0, होशियारपुर
5. मै0 इंडियन आरगैनिक कैमिकल्स लि0, मुम्बई
6. मै0 इंडिया पोलिफाइबर्स लि0, लखनऊ
7. मै0 फ्यूचूरा पोलिमर्स, मद्रास
8. मै0 डीसीएल लि0, नागपुर
9. मै0 जे.के. सिंथेटिक्स लि0, कानपुर
10. मै0 रेमण्ड सिंथेटिक्स लि0, इलाहाबाद
11. मै0 इंडो-रामा सिंथेटिक्स लि0, म0प्र0
12. मै0 पर्ल इंजी0 पोलिमर्स लि0, नई दिल्ली
13. मै0गरवारे पोलिस्टर्स लि0, मुम्बई
14. मै0 एलक्यू पोलिस्टर्स लि0, कलकत्ता
15. एसोसिएशन ऑफ सिंथेटिक फाइबर इंडस्ट्री (एसएसएफआई)
16. एसोसिएशन ऑफ पालिस्टर स्टेपल फाइबर मैन्यूफैक्चरर्स

प्रश्नावली/अधिसूचना का उत्तर निम्नलिखित आयातकों/प्रयोक्ता संघों द्वारा दिया गया :-

1. मै0 सेंचुरी इंका लि0
2. मै0 संघी पोलिस्टर्स लि0
3. मै0 परस रामपुरिया सिंथेटिक्स लि0
4. मै0 जे0के0 कार्पो0 लि0
5. मै0 एसवीएल सुपरकैम लि0
6. मै0 डीसीएल पोलिस्टर्स लि0
7. मै0 रेमण्ड सिंथेटिक्स लि0
8. मै0 इंडो-रामा सिंथेटिक्स लि0
9. मै0 जेसीटी लि0

xiv) क्षति के बारे में याचिकाकर्ता से अतिरिक्त सूचना मांगी गई थी, जो उन्होंने दे दी थी।

xv) प्राधिकारी ने आवश्यक समझी गई सीमा तक याचिकाकर्ता के परिसरों की मौके पर जांच की।

xvi) भारत में विषयगत माल की ईष्टतम उत्पादन लागत तथा माल बनाने और बेचने की न्यूनतम लागत का हिसाब लगाने के लिए सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जीएएपी) के आधार पर लागत जांच भी की गई ;

xvii) ***** यह चिह्न इस अधिसूचना में एक हितबद्ध पार्टी द्वारा गोपनीय आधार पर दी गई सूचना तथा नियमों के अंतर्गत प्राधिकारी द्वारा उसे ऐसा ही माने जाने का द्योतक है।

xviii) यह जांच 1.4.98 से 30.9.98 तक की अवधि के लिए की गई जो कि जांच की अवधि थी।

xix) निर्यात के आंकड़ों की जांच जहां तक संभव थी प्राधिकारी द्वारा की गई। अधिकारियों के एक दल ने जनवरी, 2000 में निर्यातक के परिसरों अर्थात् मै0 सैमसंग पेट्रोकेमिकल्स कं0 लि0 (एसपीसी) में जाकर आंकड़ों की जांच की।

ख) निर्यातकों, आयातकों और हितबद्ध पार्टियों के विचार तथा प्राधिकारी द्वारा जांच।

विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा व्यक्त किए गए विचार प्रकटन विवरण पत्र में दिए गए

हैं। जो मुद्दे प्रकटन विवरण-पत्र के जबाब में अब उठाए गए हैं, उन पर नीचे दिए गए संगत पैराग्राफों में उस सीमा तक विचार किया गया है, जहां तक वे नियमों के अनुसार संगत हैं और जहां तक वे इस मामले पर प्रभाव डालते हैं। हितबद्ध पार्टियों द्वारा दिए गए तर्कों की जांच की गई है और जहां कहीं उचित समझा गया, नीचे दिए गए संगत पैराग्राफों में उन पर विचार किया गया है।

ग) विचाराधीन उत्पाद

विचाराधीन उत्पाद विशुद्ध टैरिफथैलिक एसिड (पीटीए) है, जो सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के सीमाशुल्क उपशीर्ष 2917.36 के अंतर्गत वर्गीकृत है और आईटीसी शीर्ष 29173600 के अंतर्गत भी वर्गीकृत है। पीटीए मुक्त रूप से बहने वाला सफेद क्रिस्टलीन

पाउडर है जो किसी भी प्रकार के दिखाई देने वाली अशुद्धि से मुक्त है और इसका प्रयोग पोलिस्टर स्टेपल फाइबर/पोलिस्टर फिलामेंट यार्न/पोलिथिलीन टैरिथैलेट, बोटल ग्रेड रेजिन्स और पोलिस्टर फिल्मों के निर्माण में होता है। पीटीए का प्रतिस्थापन डाइ-मिथाइल टैरिफ थैलेट (डीएमटी) है। विचाराधीन उत्पाद पर कोई तर्क नहीं दिए गए हैं।

घ) घरेलू उद्योग

हितबद्ध पक्ष, मै. रिलाइंस इण्डस्ट्रीज लि. ने कोरिया गणराज्य के निर्यातकों द्वारा कीमतों में कमी किए जाने तथा पाटन मार्जिन में परिणामी वृद्धि पर घरेलू उद्योग को हुई क्षति के मददेनजर 28.4.98 की सीमाशुल्क अधिसूचना सं. 13/98-सीमाशुल्क के तहत अधिसूचित कोरिया गणराज्य से पीटीए के हुए आयातों पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क की समीक्षा करने का अनुरोध किया। प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 23 के अन्तर्गत कोरिया गणराज्य (संबद्ध देश) से पीटीए (संबद्ध वस्तु) के हुए आयातों के संबंध में 3.3.99 की अधिसूचना के तहत समीक्षा जांच शुरू की। यद्यपि मै. आरआईएल को 'पूर्ववर्ती जांच' में घरेलू उद्योग के दायरे से बाहर रखा गया था तथापि उसे पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ग) के संदर्भ में इस मामले में एक हितबद्ध पक्ष माना गया है। प्राधिकारी आगे यह नोट करते हैं कि मै. आरआईएल ने इस समीक्षा में प्रस्तावित जांच अवधि के दौरान कोई आयात नहीं किया है। चूंकि मै. आरआईएल पीटीए संबद्ध वस्तु का एकमात्र उत्पादक है। इसलिए प्राधिकारी ने मै. आरआईएल को घरेलू उद्योग के रूप में माना है।

ड.) समान वस्तु

प्राधिकारी ने 19.3.98 को राजपत्र में अधिसूचना सं. 14/1/96-एडीडी के तहत प्रकाशित अपने अंतिम परिणामों का संदर्भ दिया है। मैसर्स आर० आई एल द्वारा उत्पादित वस्तुएं अर्थात् पीटीए कोरिया गणराज्य द्वारा निर्यातित पीटीए की समान वस्तु है।

(च) सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत

(क) धारा 9क (1) (ग) के अंतर्गत किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का अर्थ है:

(i) समान वस्तु के लिए व्यापार के सामान्य रूप में तुलनीय मूल्य, जब वह निर्यातक देश या क्षेत्र में उपयोग के निमित्त हो जिसका निर्धारण उप-धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार किया गया हो या;

(ii) जब व्यापार के सामान्य रूप में निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में समान वस्तु की कोई बिक्री न हो या जब निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में विशेष बाजार स्थिति या बिक्री की कम मात्रा के कारण ऐसी बिक्री से उचित तुलना नहीं की जा सकती हो, तब सामान्य मूल्य इनमें से कोई एक होगा;

(क) समान वस्तु का तुलनात्मक प्रतिनिधि मूल्य जब उसका निर्यात निर्यातक देश या क्षेत्र से या किसी उपयुक्त तीसरे देश से किया जाए जिसका निर्धारण उप-धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार किया गया हो; या

(ख) उद्गम वाले देश में उक्त वस्तु की उत्पादन लागत; जिसमें प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागत तथा लाभ के लिए उपयुक्त राशि जोड़ी गई हो जिसका निर्धारण उपधारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार किया गया हो;

बशर्ते कि ऐसे मामले में जहां वस्तु का आयात उद्गम वाले देश से इतर किसी देश से किया गया हो तथा जहां वस्तु की निर्यात वाले देश से होकर केवल बाहनान्तरित किया गया हो या ऐसी वस्तु का निर्यात वाले देश में उत्पादन नहीं किया जाता हो या निर्यात वाले देश में कोई भी तुलनात्मक कीमत नहीं हो तब सामान्य मूल्य का निर्धारण उद्गम वाले देश में इसकी कीमत के संदर्भ में किया जाएगा ।

प्राधिकारी ने ऊपर उल्लिखित धारा के अनुसार सूचना प्रस्तुत करने के लिए ज्ञात निर्यातकों/आयातकों को अवसर प्रदान किया । निम्नलिखित निर्यातकों ने सूचना भेजी है, जिनका अलग-अलग आकलन किया गया है ।

ख. मैसर्स सैमसंग पैट्रो-कैमिकल्स कं. लि., (एसपीसी), कोरिया गणराज्य1. सामान्य मूल्य

प्राधिकारी ने उत्पाद के उस भारित औसत सामान्य मूल्य पर विचार किया है, जिसके बारे में जांच अवधि से संबंधित जानकारी प्रस्तुत की गई है और जिसका सत्यापन जांच दल द्वारा किया गया है । प्राधिकारी ने नोट किया है कि ऋण सम्बन्धी खर्चों का दावा उच्च ब्याज दर अर्थात् 25% ओवर ड्राफ्ट की दर से किया गया है । प्राधिकारी ने अल्पकालिक ऋण के लिए सामान्य ऋण दर अर्थात्

..... % पर विचार किया है जैसाकि घरेलू आपूर्तिकर्ता द्वारा किया गया है और तदनुसार ऋण व्यय परअमरीकी डालर प्रति मी. टन. तक समायोजनों की अनुमति प्रदान की है। प्राधिकारी ने सत्यापन के दौरान निर्यातक द्वारा प्रस्तुत किए गए आंकड़ों/साक्ष्य के आधार पर पैकिंग और अन्तर्राष्ट्रीय भाड़े की अनुमति प्रदान की है। शुल्क वापसी और उतराई पर समायोजनों की अनुमति दावे के अनुसार दी गई है। पैकिंग, अन्तर्राष्ट्रीय भाड़ा, शुल्क वापसी, ऋण व्यय और उतराई पर क्रमशः ..., ..., ..., ..., एवं ... अमरीकी डालर प्रति मी.टन तक समायोजनों की अनुमति देने के बाद भारत औसत सामान्य मूल्य ... अमरीकी डालर प्रति मी. टन बनता है।

(ii) निर्यात कीमत

निर्यातक ने संकेत दिया है कि वह मै. सैमसंग कॉरपोरेशन अर्थात् व्यापारी के जरिए निर्यात कर रहा है। ग्राहकों के नाम और जाँच अवधि के दौरान निर्यात की मात्रा निर्यातक द्वारा मुहैया कराई गई है। निर्यातक द्वारा जाँच अवधि के दौरान एक आयातक के लिए समायोजनों के ब्यौरे उपलब्ध कराए गए हैं। ये समायोजन हैं समुद्री भाड़ा, वार्ता प्रभार, कमीशन, अन्य लागत और अन्तर्राष्ट्रीय भाड़ा जिनके लिए दावा क्रमशः ***, ***, ***, ***, एवं *** अमरीकी डालर प्रति मी.टन का किया गया है। प्राधिकारी ने पाया है कि याचिकाकर्ता द्वारा जाँच अवधि के लिए पत्तन-वार आयात ब्यौरे मुहैया कराए गए हैं। प्राधिकारी ने निर्यातक द्वारा किए गए निर्यातों के भारत औसत सीआईएफ मूल्य को निर्यातक और याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के आधार पर संदर्भित किया है। निर्यातक द्वारा किए गए दावों के अनुसार समायोजनों पर विचार किया गया है। कारखाना द्वार पर भारत औसत निर्यात कीमत *** अमरीकी डालर/मी.टन बनती है।

(ग) अन्य गैर-सहकारी निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत

(i) सामान्य मूल्य

प्राधिकारी ने सहकारी निर्यातक की घरेलू बिक्री कीमत को अन्य गैर-सहकारी निर्यातकों के लिए संदर्भित किया है। किसी प्रकार के समायोजन की अनुमति नहीं दी गई है और इसे सामान्य मूल्य के रूप में माना गया है क्योंकि गैर-सहकारी निर्यातकों द्वारा कोई आंकड़े प्रस्तुत नहीं किए गए। कारखाना द्वार पर भारत औसत सामान्य मूल्य *** अमरीकी डालर निकलता है।

(ii) निर्यात कीमत

जहां तक गैर-सहकारी निर्यातकों के लिए कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत का संबंध है, प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत की गई सीआईएफ कीमत का हवाला दिया है और समुद्री भाड़ा, वार्ता प्रभार, कमीशन, अन्य लागत, और अन्तर्राष्ट्रीय भाड़े पर ..., ..., .., ..., एवं ... अमरीकी डालर/मी. टन समायोजनों की स्वीकृति

दी है। जैसाकि सहकारी निर्यातक ने दावा किया है और जो याचिकाकर्ता द्वारा बतलाए गए समायोजनों से भी सह-सम्बद्ध है। कारखाना द्वार पर उक्त भारित औसत निर्यात कीमत ... अमरीकी डालर/मी. टन निकलती है।

(छ) पाटन-सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत की तुलना

तुलना से संबंधित नियमों में निम्नानुसार प्रावधान है:

पाटन का मार्जिन निकालते समय निर्दिष्ट प्राधिकारी निर्यात कीमत और सामान्य मूल्य के बीच एक उचित तुलना करेगा। यह तुलना व्यापार के उसी स्तर पर सामान्यतया कारखाना द्वार स्तर पर की जाएगी और यथासंभव उसी समयावधि के दौरान की गई बिक्रियों के संबंध में की जाएगी। जो अंतर कीमत तुलनीयता पर प्रभाव डालते हैं, उनके लिए प्रत्येक मामले में गुण-दोष के आधार पर उचित छूट की जाएगी। उक्त अंतर में बिक्री की शर्तें, कराधान, व्यापार के स्तर, मात्राएं, भौतिक विशेषताएं तथा अन्य ऐसे अन्तर शामिल हैं जो कीमत तुलनीयता को प्रभावित करने के लिए प्रदर्शित किए जाते हैं।

सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के बीच उचित तुलना के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत सूचना और प्राधिकारी के पास उपलब्ध अन्य सूचना को ध्यान में रखकर विचार किया है। उपर्युक्त आधार पर निर्धारित सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत कारखाना द्वार स्तर पर हैं और इसलिए सामान्य मूल्य के साथ भारित औसत निर्यात कीमत की तुलना पर विचार किया गया है। प्राधिकारी ने यह तुलना पाटनरोधी नियम-■ के अनुबंध-। में उल्लिखित नियमों के अनुसार भारित औसत निर्यात कीमत के साथ भारित औसत सामान्य मूल्य की तुलना के आधार पर की है।

यह तर्क दिया गया है कि जिस कीमत पर याचिकाकर्ता ने देशों को संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया है उसे सामान्य मूल्य के लिए एक आधार माना जाय। यह भी तर्क दिया गया है कि मुद्रा में व्यापक उतार-चढ़ाव को देखते हुए वह विनिमय दर लागू की जाए जो बिक्री की तारीख को प्रचलित हो या बिक्री के महीने में प्रचलित रही हो। इसके अलावा पीटीए की कीमतों में व्यापक उतार-चढ़ाव को देखते हुए पाटन के लिए तुलना सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत की माह दर माह तुलना के आधार पर की जाय। जहाँ तक गैर-सहकारी निर्यातकों का संबंध है यह तर्क दिया गया है कि सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना मै. एसपीसी से प्राप्त सूचना है और इसे ही गैर-सहकारी निर्यातकों के लिए लागू किया जाना चाहिए।

प्राधिकारी ने उपरोक्त तर्कों पर विचार किया है और इस बात को उचित माना है कि घरेलू कीमतों के बारे में मै. एसपीसी द्वारा दी गई सूचना को बिना समायोजनों के घरेलू

बिक्री के प्रयोजन के लिए सामान्य मूल्य के एक उचित आधार के रूप में उल्लेखित किया जाए। चूंकि कोरिया गणराज्य के अन्यय उत्पादकों/निर्यातकों को उत्तर देने के लिए उचित अवसर प्रदान किए गए थे, और उनके असहयोग को देखते हुए इन निर्यातकों को किसी समायोजनों की स्वीकृति नहीं दी जा सकती है क्योंकि ये विशिष्ट निर्यातक हैं। जहाँ तक विनिमय दर में उतार-चढ़ाव और माह दर माह तुलना का संबंध है प्राधिकारी नोट करते हैं कि सहयोगी निर्यातक ने जाँच अवधि के केवल दो महीनों में निर्यात किया है और यह कि जाँच अवधि में घरेलू कीमतों और निर्यात कीमतों में अन्तर तथा विनिमय दर में उतार-चढ़ाव उस स्तर तक नहीं है जिसमें सौदेवार तुलना करना जरूरी हो। तथापि प्राधिकारी नोट करते हैं कि इस विशेष स्थिति में कीमत और विनिमय दर में उतार-चढ़ाव को ध्यान में रखते हुए औसत दर औसत आधार पर की गई तुलना भी कारोबार दर कारोबार आधार की प्रक्रिया से मेल खाती हैं।

निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन निम्नानुसार बनते हैं-

निर्यात	सामान्य मूल्य डालर/मी. टन	निर्यात कीमत डालर/मी. टन	पाटन मार्जिन (निर्यात कीमत के % के रूप में)
मै. सैमसंग पैट्रोकेमिकल कं. लि. (एसपीसी)	*****	*****	14.5%
मै. सनक्योंग इंडस्ट्रीज लि.	*****	*****	26.76%
मै. कोहाप पैट्रोकेमिकल कारपोरेशन	*****	*****	26.76%
अन्य कोई निर्यातक	*****	*****	26.76%

(ज) पहुँच मूल्य

पहुँच मूल्य का निर्धारण अलग-अलग निर्यातकों के लिए कोरिया गणराज्य से पीटीए की भारित औसत निर्यात कीमत के आधार पर उसमें सीमाशुल्क के प्रचलित स्तर अर्थात् मूल सीमाशुल्क और विशेष सीमाशुल्क, एक प्रतिशत उतराई प्रभार और दो प्रतिशत हैंडलिंग प्रभार जोड़ने के बाद किया गया है।

हितबद्ध पक्षों में से एक पक्ष द्वारा यह तर्क दिया गया है कि 4% की दर से विशेष अतिरिक्त शुल्क को भी पहुँच मूल्य में जोड़ा जा सकता है क्योंकि याचिकाकर्ता को बिक्रीकर से छूट प्राप्त है। प्राधिकारी यह मानते हैं कि ऊपर दर्शायी गई धाराओं के अंतर्गत लगाए गए शुल्कों को छोड़कर पहुँच मूल्य के स्तर पर उसकी क्षतिरहित कीमत के साथ तुलना करने की सतत प्रक्रिया रही है। अतः प्राधिकारी ने मौजूदा प्रक्रिया के अनुसार उपरोक्तानुसार पहुँच मूल्य के स्तर पर तुलना करने का प्रस्ताव किया है।

(झ) क्षति, कारणात्मक संबंध और क्षति निर्धारण

उपरोक्त नियम II, अनुबंध II के अंतर्गत जब किसी क्षति के बारे में निष्कर्ष निकाला जाता है तो ऐसे निष्कर्ष में घरेलू उद्योग को हुई क्षति का निर्धारण शामिल होगा और उक्त निर्धारण मेंपाटित आयातों की मात्रा, समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर उनके प्रभाव और ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के उत्तरवर्ती प्रभाव समेत सभी संगत तथ्यों पर विचार किया जाएगा। कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय इस तथ्य की जांच करना आवश्यक समझा जाता है कि क्या भारत में समान वस्तु की कीमतों की तुलना में पाटित आयातों की वजह से कीमतों में पर्याप्त कटौती की गई है अथवा क्या ऐसे आयातों का प्रभाव अन्यथा पर्याप्त सीमा तक कीमतों में गिरावट लाना था अथवा कीमतों को बढ़ने से रोकना था जो अन्यथा काफी मात्रा तक हो गया होता।

उपरोक्त नियम के अनुबंध II(iv) के अनुसार, भारत में घरेलू उद्योग पर आयातों के प्रभाव की जांच करने के लिए हम ऐसे संकेतकों पर विचार कर सकते हैं जिनका उद्योग की स्थिति पर प्रभाव पड़ता है जैसे उत्पादन, क्षमता-उपयोग, बिक्री मात्रा, स्टॉक, लाभप्रदता, निवल बिक्री वसूली, पाटन की मात्रा और मार्जिन इत्यादि।

यह तर्क दिया गया है कि डी एम टी के उत्पादक जांच में शामिल नहीं हुए हैं और याचिकाकर्ता पहले ही विभिन्न कारकों अर्थात् मूल सीमा शुल्क, मूल सीमा शुल्कों का अधिभार समुद्री भाड़ा, अन्तर्राज्यीय भाड़ा, पहले से लगाए गए पाटन रोधी शुल्क इत्यादि का लाभ उठा रहा है। याचिकाकर्ता को कोई नुकसान भी नहीं हुआ है क्योंकि उसे उत्पादन में वृद्धि हुई है और जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से हुए आयातों में गिरावट आई है। इसके अलावा, आयातों की कम कीमत न्यायिक लाभ और पैराक्सीलीन की कीमतों में गिरावट की वजह से है जो कि अंतर्राष्ट्रीय प्रवृत्ति के अनुरूप है। कारणात्मक संबंध प्रमाणित नहीं हुआ है क्योंकि आयातों में 29120 मी. टन आयात मात्रा तक गिरावट आई है और आयातों के इस स्तर से कोई नुकसान नहीं हो सकता है। यह तर्क दिया गया है कि याचिकाकर्ता को नुकसान सीमा शुल्क में आई गिरावट के कारण हुआ है और मैसर्स मित्सुबिशी के लागत ढांचे की जांच की जाय।

प्राधिकारी ने उपरोक्त तर्कों की जांच की है और उनका यह मानना है कि पाटनरोधी शुल्क लगाने का उद्देश्य घरेलू उद्योग को संरक्षण प्रदान करना नहीं है बल्कि पाटन के कारण घरेलू उद्योग को हुए नुकसान का निराकरण करना है। प्राधिकारी ने उपरोक्त सभी तर्कों पर विचार किया है और उपरोक्त नियमों के अनुबंध 2(iv) में यथानिर्दिष्ट प्रचलित परिपाटी के अनुसार क्षति के विभिन्न कारकों की जांच करके क्षति का आकलन किया है।

उत्पादन, क्षमता उपयोग, अनुमत्य बाजार हिस्सा और संबद्ध देशों से आयात के बारे में निम्नलिखित प्रवृत्तियों नोट की गई हैं:-

(क) वर्ष 95-96 में 248517 मी.टन, 96-97 में 269189 मी.टन, 97-98 में 683766 मी.टन और जांच अवधि में 455734 मी.टन का उत्पादन रहा जिससे वृद्धि का रुख प्रदर्शित होता है ।

(ख) क्षमता उपयोग वर्ष 95-96 में 124.26 % , 96-97 में 104.205 % 97-98 में 100.68% और जांच अवधि में 93.48 % रही । इसलिए क्षमता उपयोग में गिरावट रही ।

(ग) घरेलू बाजार में संबद्ध सामानों की मांग वर्ष 95-96 में 727.8 के टी ए, 96-97 में 796.69 के टी ए, 97-98 में 1076.56 के टी ए और जांच अवधि में 557.07 के टी ए रही और इस प्रकार इसमें वृद्धि हो रही है ।

(घ) घरेलू बाजार में याचिकाकर्ता का बाजार हिस्सा वर्ष 96-97 में 36 % , 97-98 में 60 % और जांच अवधि में 69 % रहा । इस प्रकार इसमें वृद्धि का रुख प्रदर्शित होता है ।

(ड.) कोरिया गणराज्य से आयात वर्ष 96-97 में 86759 मी.टन, 97-98 में 113767 मी.टन और जांच अवधि में 29120 मी.टन हुआ था और इस प्रकार आयातों में पर्याप्त गिरावट रही ।

(च) संबद्ध सामानों के कुल आयात में कोरिया गणराज्य से हुए आयातों का हिस्सा वर्ष 96-97 में 30.8 % , 97-98 में 43.14 % और जांच अवधि में 33.5 % रहा है । इस प्रकार इसमें सापेक्ष रूप से गिरावट रही है ।

प्राधिकारी यह बात नोट करते हैं कि यद्यपि जांच अवधि में याचिकाकर्ता के बाजार हिस्से और उसके उत्पादन में कोई गिरावट नहीं आई थी और चूँकि जांच अवधि में संबद्ध सामानों के आयातों में भी गिरावट रही थी इसलिए पाटित आयातों का मात्रात्मक प्रभाव नहीं पड़ा है । प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्ष 96-97, 97-98 और जांच अवधि के दौरान पी टी ए की मांग में वृद्धि रही है । तथापि, याचिकाकर्ता की निवल बिक्री वसूली(एन एस आर) में वर्ष 96-97, 97-98 और जांच अवधि में निरंतर गिरावट आई जो नीचे दर्शाई गई है:-

<u>वर्ष</u>	<u>एन एस आर(रूपए/मी.टन)</u>
95-96	55488
96-97	30186
97-98	22597
जांच अवधि	19837

तथापि, याचिकाकर्ता द्वारा बिक्री कीमतों की तुलना पाटित आयातों की पहुँच कीमत के साथ करने पर जांच अवधि में घरेलू उद्योग के लिए विचाराधीन उत्पाद की निवल बिक्री वसूली अक्षतिकर कीमत (एन आई पी) से कम रही है । इस प्रकार इनमें वित्तीय घाटा हुआ ।

भारत में घरेलू उद्योग के लिए पी टी ए की अक्षतिकर बिक्री कीमत का निर्धारण प्राधिकारी ने जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के लिए ईष्टतम उत्पादन लागत पर विचार करते हुए निर्धारित की है। घरेलू उद्योग के लिए अक्षतिकर कीमत (एन आई पी) का मूल्यांकन करते समय प्राधिकारी ने कच्ची सामग्री के उपयोग, उपयोगिताओं का उपयोग, जांच अवधि के दौरान वास्तविक खर्च, निवेश, क्षमता उपयोग आदि सभी संगत कारकों का उचित विश्लेषण किया है। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि मै. मित्सुबिसी कैमिकल कारपोरेशन ने एक पीटीए सयंत्र स्थापित करने की सूचना दी थी किन्तु उसने जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु का उत्पादन नहीं किया है और इसलिए उसकी उत्पादन लागत संगत नहीं है। मै. आरआइएल अर्थात् घरेलू उद्योग की लागत संरचना का उल्लेख किया गया है।

इस प्रकार प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुँचे हैं कि संबद्ध देशों से हुए आयातों के कारण घरेलू बाजार में विचाराधीन उत्पाद की बिक्री कीमतों में गिरावट आई है। इस प्रकार याचिकाकर्ता को वित्तीय घाटा हुआ है और घरेलू उद्योग को नुकसान हुआ।

(ज) भारतीय उद्योग का हित और अन्य मुद्दे

कई हितबद्ध पक्षों ने यह तर्क दिया है कि पाटनरोधी शुल्क की वजह से निर्यातक देशों के आपूर्तिकर्ता बाहर हो गए हैं और भारतीय पोलिस्टर विनिर्माता कम अंतर्राष्ट्रीय कीमतों के लाभ से वंचित हो गए हैं और इससे निर्यात प्रभावित हुए हैं। यह संकेत दिया गया है कि याचिकाकर्ता बाजार में पहले से ही प्रभुत्व जमाने वाली स्थिति के लिए ऐसी प्रक्रिया अपना रहा है। उत्पादकों के हितों की रक्षा करने के लिए आयातों के विकल्प को खुला रखने की जरूरत है।

प्राधिकारी ने उपरोक्त तर्कों की जांच करने के बाद यह अभिमत व्यक्त किया कि सामान्य तौर पर पाटनरोधी शुल्क लगाने का उद्देश्य ऐसे पाटन को समाप्त करना है जिससे भारतीय उद्योग को नुकसान हो रहा है तथा भारतीय बाजार में ऐसी खुली और उचित प्रतिस्पर्धा की पुनः स्थिति लाना है जो कि देश के सामान्य हित में है।

यह माना जाता है कि पाटनरोधी शुल्क लगाने से सम्बद्ध वस्तुओं के उपयोग से विनिर्मित उत्पादों के कीमत स्तर प्रभावित होंगे और परिणामस्वरूप इन उत्पादों की तुलनात्मक प्रतिस्पर्धात्मकता पर प्रभाव पड़ सकता है किन्तु पाटनरोधी उपायों से भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा कम नहीं होगी, विशेषकर तब, जब पाटनरोधी शुल्क की लेवी उस राशि तक ही प्रतिबंधित कर दी जाए जो कि घरेलू उद्योग को हुए नुकसान को कम करने के लिए आवश्यक है। इसके विपरीत, पाटन द्वारा प्राप्त होने वाले अनुचित लाभों को समाप्त करने का उद्देश्य यह है कि भारतीय उद्योग के ह्रास को रोका जाए और इस प्रकार पी टी ए के उपभोक्ताओं के लिए व्यापक विकल्प उपलब्ध रहें। पाटनरोधी उपायों से संबद्ध देशों से आयात किसी भी प्रकार कम नहीं होंगे इसलिए उपभोक्ताओं के लिए उत्पाद की उपलब्धता पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

ट. अन्तिम निष्कर्ष

प्राधिकारी ने उपरोक्त पर विचार करने के बाद यह निष्कर्ष निकाला कि:-

(क) संबद्ध देश के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित पी टी ए जैसा कि उपरोक्त पैरा (छ) में निर्दिष्ट किया गया है, का भारत को उसके सामान्य मूल्य से कम मूल्य पर निर्यात किया गया है।

(ख) पाटित आयातों के द्वारा कीमत में आई कमी से घरेलू उद्योग को क्षति हुई है जिससे वित्तीय घाटा हुआ है।

(ग) कोरिया गणराज्य के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित संबद्ध वस्तु के पाटन से घरेलू उद्योग को क्षति हुई है।

(घ) प्राधिकारी सीमाशुल्क शीर्ष 2917.36 अध्याय 29 के अंतर्गत आने वाले कोरिया गणराज्य के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित पी टी ए के सभी आयातों पर निश्चात्मक पाटनरोधी शुल्क को जारी रखने की जरूरत को उचित मानते हैं जैसा कि उप-पैरा ट (छ) में मात्रा निर्धारित की गई है।

(ङ.) इस प्रयोजनार्थ आयातों का पहुँच मूल्य सीमाशुल्क शीर्ष 1962 के अंतर्गत सीमाशुल्क विभाग द्वारा यथा आकलित निर्धारणीय मूल्य होगा और उसमें सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 की धारा 3, 3 क, 8 ख, 9 और 9 क, जैसा भी मामला हो के अंतर्गत लगाए गए शुल्कों को छोड़कर सीमाशुल्क शामिल होंगे।

(च) पाटन मार्जिन के बराबर अथवा उससे कम पाटनरोधी शुल्क की धनराशि की सिफारिश करने पर विचार किया गया जिसे यदि लगाया जाएगा तो उसे घरेलू उद्योग को हुई क्षति दूर हो जाएगी। इस प्रयोजनार्थ अलग-अलग निर्यातकों के लिए आयातों के पहुँच मूल्य की तुलना जांच अवधि के लिए निर्धारित घरेलू उद्योग की क्षति रहित बिक्री कीमत के साथ की गई थी। चूँकि यह अंतर पाटन मार्जिन से कम था इसलिए पाटन मार्जिन से कम शुल्क लगाने की सिफारिश की जाती है।

(छ) तदनुसार यह प्रस्ताव किया जाता है कि संबद्ध देश अर्थात् कोरिया गणराज्य के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित सीमाशुल्क टैरिफ के अध्याय 29 (सीमाशुल्क शीर्ष 2917.36) के अंतर्गत आने वाले पी टी ए के सभी आयातों पर केन्द्र सरकार द्वारा इस संबंध में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से निम्नानुसार पाटनरोधी शुल्क लगाया जाए।

क्र.सं.	कंपनी का नाम	राशि(डालर/मी.टन)
	<u>कोरिया गणराज्य</u>	
1.	मैसर्स सैमसंग पेट्रो-कैमिकल्स कं.लि.(एस पी सी)	16.07
2.	कोई अन्य निर्यातक	17.04

इस आदेश के खिलाफ कोई अपील उपरोक्त अधिनियम के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क और स्वर्ण (नियंत्रण) अपीलीय न्यायाधिकरण में दायर की जा सकेगी।

रति विनय झा, निर्दिष्ट प्राधिकारी एवं अपर सचिव

MINISTRY OF COMMERCE

(Directorate General of Anti-Dumping and Allied Duties)

NOTIFICATION

New Delhi, the 29th May, 2000

Sub: Review of anti-dumping duties concerning imports of Pure Terephthalic Acid (PTA) from Korea RP - Final Findings

No. 26/1/98-DGAD.—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, thereof:

A. PROCEDURE

1. The Procedure described below has been followed:
 - i) The Designated Authority (hereinafter referred to as Authority), under the Rules, received from M/s Reliance Industries Ltd. (RIL) (also referred to as petitioner in this notification), a request for review of anti-dumping duty imposed on imports of PTA (hereinafter referred to as subject goods) originating in or exported from Korea RP (hereinafter referred to as subject country).
 - ii) The Authority on the basis of sufficient and fully documented evidence submitted by the petitioner, decided to initiate review investigations against imports of PTA from Korea RP. The Authority issued a public notice dated 3.3.99 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating review investigations concerning imports of PTA exported from Korea RP.
 - iii) The investigations concluded by the Authority vide notification dated 19.3.98 have been referred to as "the previous investigations" in this notification.
 - iv) Request was made to the Central Board of Excise and Customs (CBEC) to arrange details of imports of PTA in India during the period of review.
 - v) The Authority notified the Embassy of Korea RP in New Delhi before proceeding to initiate the review investigation in accordance with sub-Rule 5(5) of the Rule.

- vi) The Authority held an oral hearing on 8.6.99. The parties attending the public hearing were requested to file written submissions of the views expressed orally. The parties were advised to collect copies of the views expressed by the opposing parties and were requested to offer their rebuttals.
- vii) The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file maintained and kept open for inspection by any interested party.
- viii) In accordance with Rule 16 of the Rules supra, the essential facts/basis considered for these findings were disclosed to all known interested parties on 28.4.2000 and comments received on the same have also been duly considered in these findings.
- ix) The Authority forwarded a copy of the public notice to all the known importers (whose details were made available by petitioner) of Pure Terephthalic Acid in India and advised them to make their views known in writing within forty days from the date of issue of the letter.
- x) The Authority provided a copy of the petition to the known exporters and the Embassy of the subject country in accordance with Rules 6(3) supra. A copy of the petition was also provided to other interested parties, wherever requested.
- xi) The Authority sent a questionnaire to elicit relevant information to the following known exporters/producers from Korea RP in accordance with the Rule 6(4):

1. M/s Sunkyong Ltd.,
2. M/s Samsung Petrochemicals Co. Ltd. (SPC),
3. M/s Kohap Chemical Corporation,
4. M/s Tae Kwang Industrial Co. Ltd.,

However, response to the questionnaire/notification was filed by the following exporters/producers only:-

1. M/s Samsung Petrochemicals Co. Ltd. (SPC), Korea RP
- xii) The Embassy of the subject country in New Delhi was informed about the initiation of the review investigation in accordance with Rule 6(2) with a request to advise the exporters/producers from their country to respond to the questionnaire within the prescribed time. A copy of the letter, petition and questionnaire sent to the exporters was also sent to the Embassy, alongwith a list of known exporters/producers.

xiii) A questionnaire was sent to the following known importers/user associations of the subject goods for necessary information in accordance with Rule 6(4):

1. M/s Sanghi Polyesters Ltd. Hyderabad
2. M/s Orissa Synthetics Ltd., Calcutta
3. M/s Parasrampuriah Synthetics Ltd., New Delhi
4. M/s JCT Ltd., Hoshiarpur
5. M/s Indian Organic Chemicals Ltd., Mumbai
6. M/s India Polyfibres Ltd., Lucknow
7. M/s Futura Polymers, Madras
8. M/s DCL Ltd., Nagpur
9. M/s J K Synthetics Ltd., Kanpur
10. M/s Raymond Synthetics Ltd., Allahabad
11. M/s Indo-Rama Synthetics Ltd., M.P.
12. M/s Pearl Engg. Polymers Ltd., New Delhi
13. M/s Garware Polyesters Ltd., Mumbai
14. M/s Elque Polyesters Ltd., Calcutta
15. Association of Synthetic Fibre Industry (ASFI)
16. Association of Polyester Staple Fibre Manufacturer

Response to the questionnaire/notification was filed by the following Importers/user Associations:

1. M/s Century Enka Ltd.
2. M/s Sanghi Polyesters Ltd.
3. M/s Parasrampuriah Synthetics Ltd.
4. M/s J K Corp. Ltd.
5. M/s SVL Superchem Ltd.
6. M/s DCL Polyesters Ltd.
7. M/s Raymond Synthetics Ltd.
8. M/s Indo-Rama Synthetics Ltd.
9. M/s JCT Ltd.

xiv) Additional information regarding injury was sought from the petitioner, which was also furnished.

xv) The Authority conducted on the spot investigation at the premises of the petitioner to the extent considered necessary;

xvi) Cost investigation was also conducted to work out optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP).

- xvii) ****in this notification represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules;
- xviii) Investigation was carried out for the period starting from 1.4.98 to 30.9.98 i.e. the period of investigation (POI).
- xix) Verification of exporters data was carried out by the Authority to the extent it was feasible. A team of officers carried out the verification of the data at the exporters premises viz. M/s Samsung Petrochemicals Co. Ltd. (SPC) in January, 2000

B. VIEWS OF PETITIONERS, EXPORTERS, IMPORTERS AND OTHER INTERESTED PARTIES AND EXAMINATION BY AUTHORITY

The views expressed by the various interested parties have been stated in the disclosure statement. The views raised in response to the disclosure statement are discussed in the relevant paras herein below to the extent these are relevant as per rules and have a bearing upon the case. The arguments raised by the interested parties have been examined, considered and, wherever appropriate, dealt in the relevant paras herein below.

C. PRODUCT UNDER CONSIDERATION

The product under consideration is Pure Terephthalic Acid (PTA) classified under customs sub-heading 2917.36 of the customs Tariff Act, 1975 and further classified under ITC Head 29173600. PTA is a white free flowing crystalline powder free from any visual contamination and is used in manufacture of Polyester Staple Fibre (PSF), Polyester Filament Yarn (PFY), Polyethylene Terephthalate (PET), Bottle grade resins and Polyester film. The substitute for PTA is Di-Methyl Terephthalate (DMT). There are no arguments on the product under consideration.

D. DOMESTIC INDUSTRY

The interested party, M/s Reliance Industries Ltd. (RIL) requested for review of anti-dumping duties imposed on imports of PTA from Korea RP

notified vide Customs Notification no. 13/98-Customs dt. 28.4.98 in view of reduction in prices by exporters from Korea RP and consequential increase in dumping margin and injury to the domestic producer. The Authority initiated the review investigation vide notification dt. 3.3.99 on imports of PTA (subject goods) from Korea RP (subject country) under Rule 23 of the Anti-dumping Rules. M/s RIL though excluded from the scope of domestic industry in the "previous investigation" was considered an interested party in this case with reference to Rule 2(c) of the Anti-dumping Rules. The Authority further notes that M/s RIL has not made any imports during the proposed period of investigation (POI) in this review. Since M/s RIL is the sole producer of PTA, the subject goods, the authority treats M/s RIL as domestic industry.

E. LIKE ARTICLE

The authority refers its final findings gazette vide notification no. 14/1/96-ADD dated 19.3.98. The goods produced by M/s RIL i.e. PTA is Like Article to PTA exported by Korea RP.

F. NORMAL VALUE AND EXPORT PRICE

a) Under Section 9A(1)(c), normal value in relation to an article means:

- (i) the comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the Rules made under sub-section (6); or
- (ii) when there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either:-

(a) comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the Rules made under sub-section (6); or

(b) the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the Rules made under sub-section(6);

Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transhipped through the country of export or such article is not produced in the country of export or there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin.

The Authority provided opportunity to the known exporters/producers to furnish information in accordance with section cited above. The following exporters who responded have been assessed individually.

b) M/s Samsung Petrochemicals Co. Ltd. (SPC), Korea RP

i) Normal Value

The authority has considered weighted average normal value of the product for the period of investigation furnished and as verified by the investigating team. The authority notices that the credit expenses have been claimed at a higher rate of interest i.e. 25% being the over draft rate. The authority has considered the normal credit rate viz. ***% for a short-term credit period as extended by the domestic supplier and accordingly, has allowed the adjustments on credit expenses to an extent of ***\$/MT. The authority has allowed packing and inland freight on the basis of the data/evidence produced by the exporter during verification team. The adjustments on duty drawback and un-loading are admitted as claimed. After allowing adjustments on packing, inland freight, duty drawback, credit expenses and un-loading to an extent of ***, ***, ***, *** & ***\$/MT respectively, the weighted average normal value comes to ***\$/MT.

ii) Export Price

The exporter has indicated that he is exporting through M/s Samsung Corpn. viz. the trader. The names of the customers and the quantity for the POI have been provided by the exporter. The details of adjustments for one of the importers during the POI has been provided by the exporter. These

adjustments are ocean freight, negotiation charges, commission, other costs and inland freight claimed to an extent of ***, ***, ***, *** & ***\$/MT respectively. The authority notices that port-wise import details for the POI have been provided by the petitioner. The authority has referenced weighted average CIF value of the exports made by the exporter on the basis of the data furnished by the exporter and that by the petitioner. The adjustments as claimed by the exporter have been considered. The weighted average ex-factory export price comes to ***\$/MT.

C) Normal value and export price for other non-cooperating exporters

i) Normal Value

The authority has referenced the domestic selling price of the cooperating exporter for the other non-cooperating exporters. No adjustments are provided and the same is treated as the normal value in view of no data furnished by the non-cooperating exporters. The weighted average ex-factory normal value comes to ***\$/MT.

ii) Export Price

As regards, the ex-factory export price for the non-cooperating exporters, the authority has referenced the CIF price as furnished by the petitioner and allow adjustments on ocean freight, negotiation charges, commission, other costs and inland freight to an extent of ***, ***, ***, *** & ***\$/MT as claimed by the cooperating exporter which is also co-related by the adjustments indicated by the petitioner. The weighted average ex-factory export price comes to ***\$/MT.

G. DUMPING - Comparison of Normal value and Export price

The rules relating to comparison provides as follows:

"While arriving at margin of dumping, the designated authority shall make a fair comparison between the export price and the normal value. The comparison shall be made at the same level of trade, normally at ex-works level, and in respect of sales made at as nearly possible the same time. Due allowance shall be made in each case, on its merits, for differences which affect price comparability, including differences in conditions and terms of sale, taxation, levels of trade, quantities, physical characteristics, and any other differences which are demonstrated to affect price comparability."

For the purpose of fair comparison between the normal value and the export price, the Authority has considered taking into account the information furnished by the exporters, and other information available with the Authority. The normal value and export price determined, as detailed above, are at ex-works level and, therefore, the comparison of normal value with weighted average export price has been considered. The authority has as per rules contained in Annexure -I of the Anti-dumping Rules carried out comparison on the basis of the weighted average normal value to weighted average export price.

It has been argued that the price at which the petitioner has exported the subject goods to countries may be considered a basis for Normal value. It has also been argued that in view of wide currency variation, exchange rates be applied prevailing as on the date of sale or at the best of the month of sale. Further the comparison for dumping should be on the basis of month to month comparison of normal value and export price in view of wide fluctuation of the PTA prices. As regards, the non-cooperating exporters, it has been argued that the best available information is the information from M/s SPC and that the same should be applied for non-cooperating exporters.

The Authority has considered the above arguments and considers it appropriate to reference the information supplied by M/s SPC on domestic prices without adjustments as an appropriate basis of normal value for the domestic sales. Since the other producers/exporters in Korea RP were given due opportunity to respond and in view of their non-cooperation no adjustments can be granted to these exporters as these are exporter specific. As regards, fluctuation of exchange rates and month to month comparison, the Authority notices that the cooperating exporter has exported only during two months of the POI and that the variation domestic and export prices in the POI and exchange rate is not to the extent which warrants transaction to transaction comparison. The authority, however, notes that the comparison on average to average basis also reconciles with the transaction to transaction basis methodology in this particular situation by taking into consideration the variation of prices and exchange rate.

The dumping margin for exporters comes as under :

Exporter	Normal value (\$/MT)	Export Price (\$/MT)	Dumping margin (as % of export price)
M/s Samsung Petrochemical Co. Ltd. (SPC)	*****	*****	14.5%
M/s Sunkyoung Industries Ltd.	*****	*****	26.76%
M/s Kohap Petrochemical Corpn.	*****	*****	26.76%
Any other Exporter	*****	*****	26.76%

H. Landed value

The landed value has been determined on the basis of weighted average export price of PTA from Korea RP determined separately for the exporters after adding the prevailing level of custom duties i.e. basic and special, one per cent towards landing charges, and two percent handling charges.

It has been argued by one of the interested parties that Special Additional Duty (SAD) @ 4% may also be added to the landed value since the petitioner is exempted from sales tax. The authority holds that the consistent practice has been to compare at a level of landed value excluding the duties levied under sections as indicated above with the non-injurious price. The authority, has, therefore, proposed to carry out comparison at the level of the landed value as illustrated above as per the existing practice.

I. INJURY, CAUSAL LINK AND DETERMINATION OF INJURY

Under Rule 11 supra, Annexure-II, when a finding of injury is arrived at, such finding shall involve determination of the injury to the domestic industry, ".....taking into account all relevant facts, including the volume of

dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles....". In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

For the examination of the impact of the imports on the domestic industry in India, we may consider such indices having a bearing on the state of the industry as production, capacity utilisation, sales quantum, stock, profitability, net sales realisation, the magnitude and margin of dumping, etc. in accordance with Annexure II(iv) of the Rules supra.

It has been argued that DMT producers have not joined the investigation and that the petitioner is already enjoying protection on account of various factors viz. basic custom duty, surcharge of basic custom duties, ocean freight, inland freight, anti-dumping duty already imposed etc. The petitioner also has not faced injury since their production has increased and imports from the subject country has declined in the POI. Further, the low price of the imports are due to logistic advantage and decline in the prices of paraxylene which is in line with international trend. The causal link is not established as the imports have declined to import volume of 29120 MT and these level of imports cannot lead to injury. It has been argued that the injury to the petitioner has been on account of decline in customs duty and that the cost structure of M/s Mitsubishi may be examined.

The authority has examined the above mentioned arguments and holds that the purpose of imposition of anti-dumping duty is not to provide protection to the domestic industry but to redress the injury to the domestic industry due to dumping. The authority has considered all the above arguments and has assessed injury by examining various injury indices as per the consistent practice as indicated in the Annexure 2 (iv) of the rules supra.

The following trends of production, capacity utilisation, market share allowed and imports from subject country are noted :

- a) The production has been 248517MT in 95-96, 269189 MT in 96-97, 683766 MT in 97-98 and 455734 in POI, showing an increasing trend.

- b) Capacity utilisation has been 124.26% in 95-96, 104.205% in 96-97, 100.68% in 97-98 and 93.48% in POI. There has been, therefore, a decreasing trend in capacity utilisation.
- c) The demand of subject goods in the domestic market has been 727.8 KTA in 95-96, 796.69 KTA in 96-97, 1076.56 KTA in 97-98 and 557.07 KTA in POI and is thus rising.
- d) The market share of petitioner in the domestic market has been 36% in 96-97, 60% in 97-98 and 69% in POI, thus shows a rising trend.
- e) The imports from Korea RP were 86759 MT in 96-97, 113767 MT in 97-98 and 29120 MT in POI and have thus decreased significantly.
- f) The share of imports from Korea RP in total imports of subject goods has been 30.8% in 96-97, 43.14% in 97-98 and 33.5% in POI and have thus decreased in relative terms.

The authority notes that though there is no decline in the market share and production in the POI of the petitioner and that as the imports of the subject goods in POI has also decreased, the dumped imports have, therefore, not led to any volume effect. The authority notices that the demand of PTA during 96-97, 97-98 and POI has been increasing. The Net Sales Realisation (NSR) for the petitioner however, has declined from 96-97, 97-98 and in POI as indicated below:

<u>Year</u>	<u>NSR (Rs./MT)</u>
95-96	55488
96-97	30186
97-98	22597
POI	19837

However, the NSR for the product under consideration for the domestic industry in the POI has been below the Non-injurious Price (NIP) on account of matching of the selling prices by the petitioner with the landed value of dumped imports, thus leading to these financial losses.

The non-injurious selling price of PTA in India for the domestic industry has been determined by the Authority by considering the optimum cost of production for the domestic industry in the POI. While evaluating NIP for the domestic industry, the authority has made appropriate analysis of all the relevant factors including usage of raw materials, the usage of utilities, the actual expense during POI, investments, the capacity utilisation etc. The authority notes that M/s Mitsubishi Chemical Corporation

reported to be setting up a PTA plant has not produced the subject goods in the POI and, therefore, its cost of production is not referenced. It is the cost structure of M/s RIL i.e. domestic industry which has been referenced.

The authority thus, concludes that the imports from the subject country has led to price depression in the selling prices of the product under consideration in the domestic market thus leading the petitioner to financial losses and causing injury to domestic industry.

J. INDIAN INDUSTRY'S INTEREST AND OTHER ISSUES

It has been argued by many interested parties that anti-dumping duty has driven out suppliers of exporting countries and deprived Indian polyester manufacturers the benefit of low international prices and that this has also affected exports. It has been indicated that the petitioner is taking such a recourse for a pre-dominant market situation. In order to protect the interest of the producers the option of imports needs to be kept open.

The authority after examining the above arguments holds that the purpose of anti-dumping duties in general is to eliminate dumping which is causing injury to the domestic industry and to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market which is in the general interest of the country.

It is recognised that the continuation of imposition of anti-dumping duty might affect the price levels of the products manufactured using the subject goods and consequently might have some influence relative competitiveness of these products. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the anti-dumping measures particularly if the levy of the anti-dumping duty is restricted to an amount necessary to redress the injury to the domestic industry. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices and would prevent the decline of the domestic industry and also help maintain availability of wider choice to the consumers of PTA. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject country in any way and, therefore, would not affect the availability of the product to the consumers.

K. FINAL FINDINGS

The authority after considering the foregoing concludes that:

- a) PTA originating in or exported from the subject country as indicated in the foregoing para (G) has been exported to India below its Normal value.
- b) Domestic industry has suffered material injury on account of price suppression caused by dumped imports leading to financial losses.
- c) The injury has been caused to the domestic industry by dumping of the subject goods originating in or exported from Korea RP.
- d) The authority recognises the need for continuation of imposition of definitive anti-dumping duty on all imports of PTA falling under Chapter 29 Custom Head 2917.36 originating in or exported from Korea RP as quantified in Sub-para K(g).
- e) The landed value on imports for the purposes shall be the assessable value as determined by the customs under the custom Head 1962 and all duties of customs except duty levied under section 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the Customs Tariff Act, 1975.
- f) It was considered to recommend the amount of anti-dumping duty equal to the margin of dumping or less which if levied would remove the injury to domestic industry. Landed value of the imports for individual exporters, for the purpose, were compared with the non-injurious selling price (NIP) of the domestic industry, determined for the period of investigation. As the difference was less than the dumping margin, a duty lower than that of the dumping margin is recommended.
- g) Accordingly it is proposed that anti-dumping duties as set out below be imposed, from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government, on all imports of PTA originating in or exported from the subject country i.e. Korea RP falling under chapter 29 (Custom Head 2917.36) of the Customs Tariff.

<u>Sl. No.</u>	<u>Name of the company</u> <u>Korea RP</u>	<u>Amount (\$/MT)</u>
1.	M/s Samsung Petrochemicals Co. Ltd. (SPC)	16.07
2.	Any other exporter	17.04

An appeal against this order shall lie to the Customs, Excise and Gold (Control) Appellate Tribunal in accordance with the Act Supra.

RATHI VINAY JHA, Designated Authority and Addl. Secy.